

रजिस्ट्रेशन नं ० शी ०/एस ० एम ० १४.



राजपत्र, हिमाचल प्रदेश (असाधारण)

हिमाचल प्रदेश राज्यशासन द्वारा प्रकाशित

सिंहगड, सोमवार, 22 मून, 1987/1 आषाढ़, 1908

हिमाचल प्रदेश सरकार

कार्यालय जिला दण्डाधिकारी, बिलासपुर, जिला बिलासपुर, हिमाचल प्रदेश

ग्राहितृता

बिलासपुर, 28 मई, 1987

* खंड्या एफ ० शी ० एस ०/बी ० एल ० शी ०-७-१८१ (भाष्याति) / ८६-२५८८ से २०३३.—इस कार्यालय की ग्राहितृता खंड्या एफ ० शी ० एस ०/बी ० एल ० शी ० (भाष्याति) / ८६-१५१६ से १५७५, दिनांक १३ प्रैल, १९८७ के क्रम से, ऐस ० के ० दाश, जिला दण्डाधिकारी, बिलासपुर, हिमाचल प्रदेश जमाखोरी, मुनाफाखोरी अनुरोधक घादेक, १९७७

की धारा ३(१)(ई) में प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए मीट व चिकन का थोक व परचून मूल्य पुनः निम्न प्रकार से निर्धारित करता हैः—

क्रमांक	अनुसूची नं० के	वस्तु का नाम	समस्त करों सहित थोक मूल्य	समस्त करों सहित परचून मूल्य
2	१२	१. मीट बकरा/बकरी	—	२२.०० प्रति किलो
		२. मीट भेड़ा	—	२०.०० प्रति किलो
		३. मीट सुअर	—	१४.०० प्रति किलो
		४. चिकन जिन्दा	२२.०० प्रति किलो	२४.०० प्रति किलो
		५. चिकन साफ किया हुआ	२५.०० प्रति किलो	२७.०० प्रति किलो

उपरोक्त अधिसूचना द्वारा निर्धारित दरें सारे विलासपुर जिला में हिमाचल प्रदेश राजपत्र में प्रकाशित होने की तिथि से एक महीने के लिए लागू रहेंगी।

एस० के० दाढ़ा,
जिला दण्डाधिकारी, विलासपुर, जिला विलासपुर।

कार्यालय आयुक्त (हिमाचल प्रदेश हिन्दू सार्वजनिक धार्मिक संस्था और पूर्त विन्यास अधिनियम, १९८४ के अन्तर्गत) एवं जिलाधीश, ऊना।

आदेश

ऊना, ३० मई, १९८७

सं० ५९७२-८६-विविध.—हिमाचल प्रदेश सरकार के वित्तायुक्त एवं सचिव (भाषा एवं संस्कृति) की अधिसूचना संस्था भाषा-क(३)-३/८५, दिनांक २०-१-१९८७ द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, मैं, चिन्तपुरणी मन्दिर, चिन्तपुरणी, जिला ऊना के प्रबन्ध हेतु निम्नलिखित कमेटी का तत्काल गठन करता हूँः—

- | | | |
|-----|---|------------|
| १. | उप-मण्डल अधिकारी (नागरिक), अम्ब | प्रधान |
| २. | अधिशासी अभियन्ता, लोक निर्माण विभाग (भवन एवं सड़कें) भरवाई | सदस्य |
| ३. | अधिशासी अभियन्ता (सिर्चाई एवं जन-स्वास्थ्य), वुत-२, ऊना | सदस्य |
| ४. | खण्ड विकास अधिकारी अम्ब | सदस्य |
| ५. | तहसीलदार, अम्ब | सदस्य-सचिव |
| ६. | श्री बाल कृष्ण सुपुत्र श्री किरणा राम, निवासी चिन्तपुरणी | सदस्य |
| ७. | श्री राम देव सुपुत्र श्री मुरारी लाल, निवासी चिन्तपुरणी | सदस्य |
| ८. | श्री मदन लाल सुपुत्र श्री कर्म चन्द, निवासी चिन्तपुरणी | सदस्य |
| ९. | श्री केवल कृष्ण सुपुत्र श्री मोती राम, प्रधान, ग्राम पंचायत छपरोह (चिन्तपुरणी) | सदस्य |
| १०. | श्री देस राज कालिया सुपुत्र श्री छोटे लाल, निवासी चिन्तपुरणी | सदस्य |
| ११. | श्री शिव कुमार कौल सुपुत्र श्री भगत राम, प्रधान, ग्राम पंचायत नारी (चिन्तपुरणी) | सदस्य |

राजमणि विपाठी,
आयुक्त (हिमाचल प्रदेश हिन्दू सार्वजनिक धार्मिक संस्था और पूर्त विन्यास अधिनियम, १९८४ के अन्तर्गत) एवं जिलाधीश, ऊना।

कार्यालय जिलाधीश, मण्डी, जिला मण्डी

आदेश

मण्डी, 21 अप्रैल, 1987

संख्या पी० सी० एच०-२२०-८(1)/१९६४-II-१६६२-१६६७.—क्योंकि श्री अमर सिंह, प्रधान, ग्राम पंचायत संघोल, विकास खण्ड धर्मपुर, जिला मण्डी पंचायत निधि के दुरुपयोग के दोषी समझ जाते हैं;

और क्योंकि श्री अमर सिंह, प्रधान, ग्राम पंचायत संघोल को पंचायत निधि ग्राम पंचायत संघोल के दुरुपयोग किए जाने के सम्बन्ध में इस कार्यालय के पत्र सं० पी० सी० एच०-२२०-८(1)/१९६४-II-११४६-५९, दिनांक १३-३-१९८७ द्वारा कारण बताओ नोटिस जारी किया गया था;

और क्योंकि श्री अमर सिंह, प्रधान, द्वारा प्रेषित उत्तर संतोषजनक नहीं पाया गया है तथा उन का प्रधान पद ग्राम पंचायत संघोल पर बने रखना उचित नहीं समझा गया है।

अतः मैं, एस० पदमनाभन, जिलाधीश, मण्डी उन शक्तियों का प्रयोग करते हुए जो उनमें पंचायत अधिनियम, 1968 की धारा ५४(१) के अन्तर्गत निहित हैं, श्री अमर सिंह, प्रधान, ग्राम पंचायत संघोल, विकास खण्ड धर्मपुर, जिला मण्डी को प्रधान पद ग्राम पंचायत संघोल से इस आदेश के जारी होने की दिनांक से निलम्बित करता हूँ तथा उन्हें यह भी आदेश दिया जाता है कि वह पंचायत की किसी भी कार्यवाही में भाग नहीं लेंगे तथा पंचायत की कोई भी चल सम्पति यदि उनके पास हो, उसे उप-प्रधान ग्राम पंचायत संघोल को अविलम्ब सौंप दें।

मण्डी, 21 अप्रैल, 1987

संख्या पी० सी० एच०-मण्डी-२३३ (1)/६३-II-११४२-४५-१६६८-७३.—क्योंकि ग्राम पंचायत धर्मपुर, तहसील सरकाघाट, जिला मण्डी के अवधि ४/८३ से ३/८६ के लेखा परीक्षण पर पंचायत निधि के अपहरण, गवन तथा दुरुपयोग के मामले प्रकाश में आए थे;

और क्योंकि श्री सिंधु राम, प्रधान, ग्राम पंचायत धर्मपुर, तहसील सरकाघाट, जिला मण्डी को पंचायती राज अधिनियम, 1968 की धारा ५४(१) तथा ग्राम पंचायत नियम, 1971 के नियम ७७ के अन्तर्गत पृष्ठांकन सं० पी० सी० एच०-मण्डी-२३३-८(II)/६३-II-११४२-४५, दिनांक १३ मार्च, १९८७ द्वारा उन्हें अपना पक्ष प्रस्तुत करने हेतु कारण बताओ नोटिस जारी किया गया था;

और क्योंकि श्री सिंधु राम, प्रधान, द्वारा प्रेषित उत्तर, दिनांक ३-४-८७ संतोषजनक नहीं पाया गया है तथा कथित प्रधान ने मामले में पूर्ण छानबीन करवाने का भी आग्रह किया है;

और क्योंकि आरोपों की निष्पक्ष स्वतंत्र जांच के लिए यह उचित समझा गया है कि श्री सिंधु राम को प्रधान पद, ग्राम पंचायत धर्मपुर से निलम्बित किया जाए।

अतः मैं, एस० पदमनाभन, जिलाधीश, मण्डी उन शक्तियों का प्रयोग करते हुए जो उन्हें पंचायत अधिनियम, 1968 की धारा ५४(१) के अन्तर्गत निहित हैं, श्री सिंधु राम, प्रधान, ग्राम पंचायत, धर्मपुर, तहसील सरकाघाट, जिला मण्डी को प्रधान पद, ग्राम पंचायत धर्मपुर से इस आदेश के जारी होने की दिनांक से निलम्बित करता हूँ तथा यह भी आदेश देता हूँ कि वे निलम्बन काल में पंचायत की किसी भी कार्यवाही में भाग नहीं लेंगे तथा उनके पास पंचायत की कोई भी चल सम्पति यदि हो तो उसे उप-प्रधान, ग्राम पंचायत धर्मपुर को अविलम्ब सौंप दें।

एस० पदमनाभन,
जिलाधीश, मण्डी

EXCISE AND TAXATION DEPARTMENT

NOTIFICATION

Shimla-2, the 3rd June, 1987

No. EXN-B-(1)-1/77-Vol-II.—On his reversion from deputation from HIMFED, the Governor, Himachal Pradesh is pleased to promote Shri K. L. Dixit, Excise and Taxation Officer in the pay scale of Rs. 1200—1850 on *ad hoc* basis with effect from 1-4-1987 till the posts of Assistant Excise and Taxation Commissioners are filled up on regular basis.

2. The promotion being purely temporary shall not confer any right whatsoever towards seniority or continuation as such.
3. The Governor is further pleased to post Shri K. L. Dixit against the vacant post of Assistant Excise and Taxation Commissioner in the office of Excise and Taxation Commissioner, Himachal Pradesh, Shimla, till further orders.

By order,
S. S. SIDHU,
Commissioner-cum-Secretary.